निरीक्षण टिप्पणी, मण्डलीय आश्रम पद्यति विद्यालय पैंढत।
निरीक्षण कर्ता – श्री सुजीत कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, फिरोजाबाद।
दिनांक 08–10–2014

दिनांक 08–10–2014 को अपराह्न में मण्डलीय आश्रम पद्यति विद्यालय पैंढत विकास खण्ड एका का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री अमित सिंह उप जिलाधिकारी जसराना, श्रीमती प्रज्ञाशंकर तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, श्री राजीव कुमार गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता ग्रा0अ0से0, परियोजना अधिकारी नेडा, एवं श्री अरूण कुमार जौहरी, खण्ड विकास अधिकारी एका, ग्राम प्रधान पैढत व ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

यह आश्रम पद्यति विद्यालय जिला मुख्यालय से लगभग 40 कि0मी0 दूर विकास खण्ड एका के अर्न्तगत स्थित है। आश्रम पद्यति विद्यालय में श्री दिनेश बाबू प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में कार्य कर रहे है। इन्होंने अवगत कराया कि कुल 13 अध्यापक एवं एक कम्पाउण्डर तैनात है। इनमें से वे स्वयं तथा एक अन्य अध्यापक ए0टी0एस0 में रूकते हैं। शेष सभी प्रतिदिन विद्यालय आते–जाते हैं। इस ए0टी0एस0 की क्षमता 380 छात्रो की है। वर्तमान मे इसके सापेक्ष 348 छात्र पंजीकृत है। निरीक्षण दिनांक को 157 छात्र उपस्थित पाये गये। जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि विद्यालय की क्षमता के अनुसार छात्रों का पंजीकरण संस्था में कराने हेतु समुचित कार्यवाही करें।

(कार्यवाही– जिला समाज कल्याण अधिकारी)

विद्यालय के अध्ययन कक्षों व शौचालयों का भ्रमण किया गया। जीव विज्ञान प्रयोग शाला में कोई भी चार्ज अथवा मॉडल आदि रक्षित नहीं है। सम्बन्धित अध्यापक ने अवगत कराया कि उन्हें कोई प्रयोग शाला का कोई सामान नहीं मिला है। इसी प्रकार भौतिक विज्ञान प्रयोग शाला में भी अपेक्षित प्रयोगिक सामान उपलब्ध नहीं था।जिला समाज कल्याण अधिकारी इसे देखें और प्रयोग शाला से सम्बन्धित अध्ययन् सामिग्री उपलब्ध करायें। था। शौचालयों में साफ–सफाई की आवश्यकता है।

(कार्यवाही– जिला समाज कल्याण अधिकारी)

छात्रावास में डारमेन्ट्री एवं भोजनालय तथा शौचालयों का निरीक्षण किया गया। डारमेन्ट्री में किसी कमरे में 2 किसी में 3 व किसी में 12 छात्र रखे गये है। कुछ छात्र द्वितीय मंजिल पर स्थिति डारमेन्ट्री में रखे गये हैं। यह स्थिति उचित प्रतीत नहीं होती है। जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं प्रभारी प्रधानाचार्य यह सुनिश्चित करें कि सबसे सुविधाजनक एक डारमेन्ट्री की क्षमता पूरी होने के बाद दूसरी डारमेन्ट्री में एवं दूसरी डारमेन्ट्री की क्षमता पूरी होने पर तीसरी में छात्रों को रखा जाय। प्रथमतः भू–तल की डारमेन्ट्रियों को भरने के बाद ही प्रथम मंजिल पर स्थिति डारमेन्ट्री में छात्रों को रखा जाना चाहिए। इससे जहां एक ओर एक स्थान पर छात्रों की देख–रेख ठीक ढंग से हो पायेगी वहीं दूसरी ओर उन्हें सुविधा भी होगी।

(कार्यवाही– जिला समाज कल्याण अधिकारी)

शौचालयों में साफ–सफाई की आवश्यकता है। प्रतिदिन फिनाइल से सफाई करायी जाय। किचन एवं भोजनालय का अवलोकन किया गया। अपेक्षाकृत व्यवस्थित है। प्रथम तल पर स्थिति कम्पाउण्डर कक्ष में निरीक्षण करने पर पाया गया कि वह छात्रों को दी गई दवा से सम्बन्धित उनके नाम एक कापी में लिख लेते है। सुझाव दिया गया वह कक्षावार पंजिका बनायें और प्रत्येक छात्र के नाम से दो पन्ने आबंटित करते हुए सम्बन्धित छात्र को समय–समय पर दी गई दवा का विवरण तिथिवार अंकित करें ताकि उनके पास आवश्यकतानुसार रिकर्ड उपलब्ध रहेगा और दिए जाने वाली दवा के वारे में फीडबैक भी उपलब्ध रहेगा।

(कार्यवाही– जिला समाज कल्याण अधिकारी)

आश्रम पद्यति विद्यालय परिसर में नेडा द्वारा 6 सौर्य ऊर्जा लाइट लगाई गई है। निरीक्षण के दौरान 5 खराब पायी गयी। उपस्थित परियोजना अधिकारी, नेडा को खराब लाइट ठीक कराने के निर्देश दिए गये हैं। परिसर में 3 नवीन हैण्डपम्प स्थापित किए गये है। इनके प्लेटफार्म शीघ्र बनवाकर पानी निकास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

(परि0अधि0 नेडा एवं अधि0अभि0 जलनिगम)

आश्रम पद्यति विद्यालय के निरीक्षण करने एवं उपस्थित अधिकारियों से वार्ता में मुख्य समस्यायें निम्नवत् दृष्टिगोचर हुई हैं:

1– दरवाजों खिडकी व जंगलों पर जाली न होने के कारण मच्छर व कीडे प्रवेश करते हैं। जिसके कारण छात्रों को असुविधा होती है।

2– वाटर लेविल ऊपर होने के कारण सोखपिट कार्य नहीं कर रहें। फलस्वरूप परिसर के भू–तल के एक हिस्से में लैट्रिन भरी होने के कारण गन्दगी है।

3– विद्युत आपूर्ति बहुत कम होने के कारण प्रकाश की व्यवस्था न होने के कारण परेशानी है।

उक्त समस्याओं के सम्बन्ध में अवगत कराया गया 17 लाख रू0 क्रिटिकल गेप से परियोजना अधिकारी नेडा को दिए जाने का प्रस्ताव है। जिससे सोलर प्लांट लगाकर प्रकाश आदि की व्यवस्था की जायेगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया कि टैंक/सोखपिट व शौचालयों के सुधार एवं खिडकी दरवाजों, व जंगलों में जाली व टूट–फूट कार्य के लिए 21.45 लाख का प्रांकलन तैयार कर भेजा गया है। बिजली की वाइरिंग व बोर्ड जगह–जगह खराब होने के कारण इसमें भी सुधार की आवश्यकता है। उपस्थित अधि0अभि0 ग्रा0अ0से0 को निर्देशित किया गया है कि आवश्यकतानुसार इस कार्य का भी प्रांकलन तैयार कर जिला समाज कल्याण अधिकारी को उपलब्ध करा दें। जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वह प्राप्त प्रांकलन विभाग को तत्काल उपलब्ध कराकर प्रयास कर स्वीकृत कराने की कार्यवाही करें। ग्राम प्रधान एवं ग्रा0प0अ0 को भी निर्देशित किया गया है कि वह राज्य वित्त/तेरहवी वित्त की धनराशि से कुछ हिस्से में जाली लगाने में सहयोग कर सकते हैं। परियोजना अधिकारी नेडा से अपेक्षा है कि वह तत्काल धनराशि प्राप्त कर सोलर प्लॉन्ट शीघ्रातिशीघ्र लगवायें।

(कार्यवाही–अधि0अभि0 ग्रा0अ0से0/पी0ओ0नेडा/ख0वि0अ0/जिला समाज कल्याण अधिकारी)

(सुजीत कुमार)
मुख्य विकास अधिकारी
फिरोजाबाद।

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, फिरोजाबाद।

पत्रांक 244 /एस0टी0 दिनांक 09/10/14

प्रतिलिपि–

1– आयुक्त, आगरा मण्डल आगरा।
2– जिलाधिकारी, फिरोजाबाद।
3– अधिशासी अभियन्ता ग्रा0अ0से0 फिरोजाबाद।
4– परियोजना अधिकारी, नेडा फिरोजाबाद।
5– खण्ड विकास अधिकारी एका।
6– जिला समाज कल्याण अधिकारी, फिरोजाबाद।

मुख्य विकास अधिकारी
फिरोजाबाद।